

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 1] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 3, 1981 (पौष 13, 1902)

No. 1] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 3, 1981 (PAUSA 13, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
कृषि I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी प्रक्रमों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई, व्यक्तियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	1
भाग II—खण्ड 2—विधेयक और विधेयक संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्टें	1
भाग I—खण्ड 3—उपखण्ड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधिक प्रस्ताव बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिसमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	1
भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	1
भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	1
भाग III—खण्ड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	1
भाग III—खण्ड 2—पब्लिक कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस	1
भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	1
भाग III—खण्ड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की कोई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	1
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	1

CONTENTS

PART I—SECTION 1. —Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	1
PART I—SECTION 2. —Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii). —Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	1
PART I—SECTION 3. —Notifications relating to non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—	PART II—SECTION 4. —Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	1
PART I—SECTION 4. —Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence ..	1	PART III—SECTION 1. —Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1
PART II—SECTION 1. —Act, Ordinances and Regulations.	1	PART III—SECTION 2. —Notification and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	1
PART II—SECTION 2. —Bills and Reports of Select Committee on Bills	1	PART III—SECTION 3. —Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	1
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i). —General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India	1	PART III—SECTION 4. —Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1
		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	1

भाग I—खण्ड 1 PART I—SECTION 1

**(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई
विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं**

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by
the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by
the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1980

सं० 86 प्रेज/80—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधि-
कारियों को उनकी बीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करने हैं :—
अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री जी० एल० शर्मा,

पुलिस अधीक्षक,

एटा,

उत्तर प्रदेश।

श्री एम० एन० चतुर्वेदी,

पुलिस उप-निरीक्षक,

जिला एटा,

उत्तर प्रदेश।

श्री साधू सिंह,

कास्टेबल न० सी/350,

मोछा थाना,

जिला मैनपुरी

उत्तर प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

27 अप्रैल 1979 को दोपहर 3 बजकर 30 मिनट पर एटा पुलिस अधीक्षक श्री जी० एल० शर्मा को उनके बेतार यंत्र पर एक संदेश मिला कि एटा जिला के मकोत थाने की पुलिस का डाकू छबी राम के गिरौह, जिमने कई डकैतियां तथा हत्याएं की थी और स्थानीय लोगों को आतंकित कर रखा था के साथ मुठभेड़ हो रही है। श्री शर्मा ने तुरन्त उप-लब्ध पुलिस दल इकट्ठा किया और पटना-स्थल की ओर चल दिये। वहां पहुंच कर उन्हें साधू सिंह और डाकू छबी राम के मकान में छिपे हुए हैं। गांव में बच निकल भागने के सभी सभ्य रास्तों को रोकने के बाद श्री शर्मा ने उत्तर की ओर से गांव में प्रवेश करने का प्रयास किया। यद्यपि गोली चलने की आवाज सुनाई दे रही थी, पर डाकुओं के छिपने के स्थान का पता नहीं लग सका। तब श्री शर्मा ने गांव में पूर्व की ओर से प्रवेश करने की कोशिश की। जैसे ही श्री शर्मा उस ओर बढ़ रहे थे, तो उन पर और उनके दल पर राइफल से 2 गोलियां चलाई गईं। यद्यपि श्री शर्मा बंदूक की गोलियों से बालबाल बच गये परन्तु उन्होंने डाकुओं के छिपने के स्थान का पता लगा लिया। ये गोलियां गांव की दक्षिण-पूर्व दिशा लगभग 150 गज की दूरी पर स्थित एक पक्के मकान से चलाई गई थी। उन्होंने पुलिस दल के सदस्यों को तुरन्त आगे बढ़ने और मकान के पीछे मोर्चा सभालने का निदेश दिया परन्तु पुलिस दल के सदस्य कुछ शिक्षक रहे थे, इसलिए उन्होंने स्वयं उनका नेतृत्व किया। पुलिस निरीक्षक श्री चरन पाल सिंह भी स्वेच्छा से उनके साथ गए। श्री शर्मा और श्री चरन पाल सिंह दोनों अपने जीवन के खतरे को परवाह न करते हुए गोलीबारी के बीच से गुजरते हुए गंतव्य स्थान पर पहुंचे। डाकुओं के छिपने का स्थान तीन और से बिरा हुआ था। पुलिस उप-निरीक्षक एम० एन० चतुर्वेदी, कास्टेबल साधू सिंह और कुछ अन्य पुलिस कर्मचारियों को मकान की छत पर पहुंचने के लिए मकान की

दीवार पर चढ़ाया गया। डाकू इस भाप गये और उन पर गोली चला दी। गोलीबारी लगभग 15 मिनट तक हुई। गोलीबारी के दौरान एक गोली श्री शर्मा पर चलाई गई। किन्तु श्री एम० एन० चतुर्वेदी ने अपनी निजी सुरक्षा की परवाह न करने हुए श्री शर्मा को एक तरफ धकेल दिया और वह गोली उनकी लगी। डाकुओं को बाहर खूने में लाने के उद्देश्य से श्री चरन पाल सिंह ने कोठे पर पड़े छपर में आग लगा दी। श्री चरन पाल सिंह पर एक और गोली चलाई गई जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस कर्मचारी भावकारी ढंग से गोलीबारी का जवाब देने की स्थिति में नहीं थे। तब श्री साधू सिंह खड़े हुए और डाकुओं पर गोली चलाई। उन्होंने एक डाकू को मार डाला किन्तु डाकुओं द्वारा चलाई गई गोली उनकी जांघ में लगने से वे घायल हो गये। घाय से काफी खून बहने के बावजूद भी श्री साधू सिंह ने छत में एक सुराख किया। जिस सुराख में से पुलिस ने कमरे के अन्दर 5 हथगोले फेंके जिससे अन्य डाकू मारे गये।

इस मुठभेड़ में सर्वश्री जी० एल० शर्मा, एम० एन० चतुर्वेदी एवं साधू सिंह ने उत्कृष्ट बीरता, साहस, पहलवर्षित एवं उच्च कोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत बीरता के लिए दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 27 अप्रैल, 1979 से दिया जाएगा।

सं० 87-प्रेज/80—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश के निम्नांकित पुलिस अधिकारियों को उनकी बीरता के लिए पुलिस पदक का वीर सहर्ष प्रदान करते हैं :—
अधिकारियों का नाम तथा पद

श्री चरन पाल सिंह,

पुलिस निरीक्षक,

एटा,

उत्तर प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

27 अप्रैल, 1979 को दोपहर 3 बजकर 30 मिनट पर एटा के पुलिस अधीक्षक श्री जी० एल० शर्मा को उनके बेतार यंत्र पर एक संदेश मिला कि एटा जिले के मकोत थाने की पुलिस की डाकू छबी राम के गिरौह से मुठभेड़ हो रही है। डाकू छबी राम अनेक डकैतियां डाल चुका था और काफी हित्वाएँ कर चुका था और स्थानीय लोगों में आतंक फैला रखा था। श्री शर्मा श्री चरन पाल सिंह और पुलिस दल के उपलब्ध व्यक्तियों के साथ गांव मरहला पहुंचे और उन्होंने उन सभी मार्गों की नाकेबंदी कर दी जिससे डाकुओं के बचकर भागने की संभावना थी तथा फिर गांव में प्रवेश करने का प्रयत्न किया। श्री शर्मा ने डाकुओं के छिपने के स्थान का पता लगाया जिन्होंने गांव के दक्षिण पूर्व की ओर एक पक्के मकान में आग ले रखी थी। तब श्री शर्मा ने पुलिस दल के सदस्यों को तुरन्त मकान के पिछवाड़े जाने और मोर्चा सभालने का निदेश दिया। चूंकि पुलिस दल के सदस्य कुछ अनिच्छुक थे इसलिये श्री शर्मा ने स्वयं नेतृत्व संभाला। पुलिस निरीक्षक श्री चरन पाल सिंह भी स्वेच्छा से उनके साथ हो गये दोनों अपने जीवन के खतरे को परवाह न करते हुए गोलीबारी के बीच से निकल कर गंतव्य स्थान पर पहुंच गये। कुछ अन्य पुलिस कर्मचारियों की मकान की छत पर पहुंचने के

लिये मकान की दीवार पर चढ़ाया गया। डाकूओं को पुलिस की गतिविधियों का पता चल गया और उन्होंने पुलिस पर गोली चला दी। गोलीबारी लगभग 15 मिनट तक होती रही। श्री चरन पाल सिंह ने डाकूओं को छुले स्थान में लाने के उद्देश्य से मकान के कोठे के छप्पर को आग लगाया दी। श्री चरन पाल सिंह पर एक गोली और चलाई गई जिसके परिणामस्वरूप वे गंभीर रूप से घायल हो गये। इसी बीच पुलिस दल के एक एंस्टेबल ने एक डाकू को मीन के बाट उतार दिया। तब पुलिस ने मकान की छत में किए गए सुराख में से मकान के अन्दर पाँच हथगोले फेंके जिससे डाकू भागे गए।

इस मुठभेड़ में श्री चरन पाल सिंह ने उत्कृष्ट वीरता, साहस, नेतृत्व एवं उच्च कोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 27 अप्रैल, 1979 से दिया जाएगा।

सु० नीलकण्ठ,
राष्ट्रपति का उप सचिव

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

नई दिल्ली-110016, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

स० एफ० 4(12)/75-एस० आर० 2—बीरबल साहनी पुरावनस्पति वैज्ञानिक संस्थान, लखनऊ के अन्तर्नियमों और नियमों और विनियमों के नियम संख्या 8 के अनुसरण में और इस विभाग की 6-1-1978 की समसंयुक्त अधिसूचना के अनुक्रम में भारत सरकार बीरबल साहनी पुरावनस्पति वैज्ञानिक संस्थान, लखनऊ के शासी निकाय के अध्यक्ष के रूप में महाराष्ट्र एसोसिएशन फार कल्टीवेशन आफ साइम, गुण के प्रो० टी० एस० महाबंश की नियुक्ति की अधि की 9 जुलाई, 1981 तक की अधि के लिए सहर्ष और आगे बढ़ाने हैं।

वी० एम० केशकर, उप सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 18th December 1980

No. 86-Pres/80.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Uttar Pradesh Police :—

Names and ranks of the officers

Shri G. L. Sharma,
Superintendent of Police,
Etah,
Uttar Pradesh.

Shri M. N. Chaturvedi,
Sub-Inspector of Police,
District Etah,
Uttar Pradesh.

Shri Sadhoo Singh,
Constable No. C/350,
Onchha Police Station,
District Mainpuri,
Uttar Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 27th April, 1979, Shri G. L. Sharma, Superintendent of Police, Etah, intercepted a message on his wireless at 15.30 hours that the Police of Sakeet Police Station were engaged in an encounter with the gang of dacoit Chhabhi Ram who had committed a large number of dacoities and murders and had terrorised the local people. Shri Sharma immediately collected the available police force and left for the place of incident. On reaching there, he came to know that the dacoits were hiding in some house in village Marohla. After sealing all possible routes of escape from the village Shri Sharma made an attempt to enter the village from the northern side. Even though gun-shots were being heard, the hide-out of the dacoits could not be located. Shri Sharma then tried to enter the village from the eastern side. When Shri Sharma was entering from that side, two rifle shots were fired at him and his party. Though Shri Sharma escaped the gun shots, but he could locate the hide-out of the dacoits. The gun shots had been fired from inside a 'pucca' house at a distance of about 150 yards on the south-eastern side of the village. He directed the members of the police party to rush and take up position at the rear of the house but as the members of the police party were somewhat hesitant, he took the lead. Shri Charan Pal Singh, Inspector of Police also volunteered to accompany him both Shri Sharma and Shri Charan Pal Singh dashed through the cross fire in disregard of the risk caused to their lives and managed to reach the destination. The hide out of the dacoits was cordoned on three sides. Shri M. N. Chaturvedi, Sub-Inspector of Police, Shri Sadhoo Singh Constable and some other policemen were made to scale over the wall of the house to reach the roof of the house.

The dacoits came to know of the movements of the police and fired at them. Exchange of fire continued for about 15

minutes. During the course of the fire, at one stage, a gun shot was fired at Shri Sharma. But Shri M. N. Chaturvedi in disregard of his personal safety, pushed Shri Sharma aside and he was himself hit by the gun shot. In order to bring out the dacoits in the open, Shri Charan Pal Singh got the 'Chhapar' over the 'Kotha' burnt. One more shot was fired at Shri Charan Pal Singh who was seriously injured. The policemen were shot in a position to return the fire effectively. Shri Sadhoo Singh then stood up and fired at the dacoits. He killed one of the dacoits but he himself was injured in his thigh by the gun-shot fired by the dacoits. Despite profuse bleeding from the injury, Shri Sadhoo Singh dug a hole in the roof. It was through this hole that the police lobbed 5 hand-grenades in the room which killed the dacoits.

In this encounter Shri G. L. Sharma, Shri M. N. Chaturvedi, and Shri Sadhoo Singh exhibited conspicuous gallantry, courage, initiative and devotion to duty of a very high order.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 27th April, 1979.

No. 87-Pres/80.—The President is pleased to award Bar to the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Uttar Pradesh Police :—

Name and rank of the Officer

Shri Charan Pal Singh,
Inspector of Police,
Etah,
Uttar Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 27th April, 1979, Shri G. L. Sharma, Superintendent of Police, Etah, intercepted a message on his wireless at 15.30 hours that the police of Sakeet Police Station were engaged in an encounter with the gang of dacoit Chhabhi Ram, who had committed a large number of dacoities and murders and had become terror to the local people. Shri Sharma alongwith Shri Charan Pal Singh and other members of Police force available reached the village Marohla and sealed all possible escape routes of the dacoits and then tried to enter the village. However, Shri Sharma could not locate the hide-out of the dacoits who had taken shelter in a 'pucca' house on the south-eastern side of the village. Shri Sharma then directed the members of police party to rush and take up position at the rear of the house. But since the members of police party were somewhat reluctant, Shri Sharma took the lead. Shri Charan Pal Singh Inspector of Police also volunteered to accompany him. Both of them in disregard of risk to their lives dashed through the cross fire and managed to reach the destination. Some other policemen also made to scale over the wall of the house to reach the roof of the house. The dacoits came to know about the movement of the police and fired at them. Exchange of fire continued for about 15 minutes. In order to bring out the dacoits in the open, Shri Charan Pal Singh got the 'chhapar' over the 'kotha' of the house burnt. One more shot was

Shri Charan Pal Singh as a result of which he was seriously injured. In the meantime one of the constables accompanying the police party killed one of the dacoits. Then the Police lobbed five hand grenades inside the house through a hole which was dug in the roof of the house which killed the dacoits.

In this encounter Shri Charan Pal Singh exhibited conspicuous gallantry, courage, initiative and devotion to duty of a very high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 27th April, 1979.

S. NILAKANTAN,
Deputy Secretary to the President

New Delhi-110029, the 12th December 1980

No. F.4(12)/75-SR.II.—In pursuance of Rule 8 of the Memorandum of Association and Rules and Regulations of the Birbal Sahni Institute of Palaeobotany, Lucknow and in continuation of this Department's Notification of even number dated 6-1-1978, the Government of India are pleased to extend the tenure of appointment of Professor T. S. Mahabale of the Maharashtra Association for the Cultivation of Science, Pune, as Chairman of the Governing Body of the Birbal Sahni Institute of Palaeobotany, Lucknow for a further period upto 9th July 1981.

V. M. KELKAR,
Dy. Secy.

